Run by: *Maa Rewati Educational and Welfare Society*

MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION

(Recognised by: N.C.T.E. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)
Jantipur Road, Badi Khairi, Mandla (M.P.)-481661
Phone: 0764-2291912, Website: www.mrcedu.com
Email: mrcedu1@gmail.com

DVV-2.4.5

Adequate skills are developed in students for effective use of ICT for teaching learning process in respect of

1. **Preparation of lesson plans**
2. **Developing assessment tools for both online and offline learning**
3. **Effective use of social media/learning apps/adaptive devices**
    a. **For learning**
4. **Identifying and selecting/developing online learning resources**
5. **Evolving learning sequence (learning activities) for online as well as face to face situation**

DVD Query

- **For this metric the attached document is proper.**

Institution response

- **All document is proper attached**

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

ICT for Learning Teaching use

With the rapid development of technology and information, teachers and students need to constantly upgrade themselves to be equipped with the latest tools and techniques. Our college teachers use various ICT tools like PowerPoint presentations, spreadsheets and animations to explain concepts to students.

Our college teachers use various ICT tools like **PowerPoint presentations, spreadsheets and animations** to explain concepts to students.

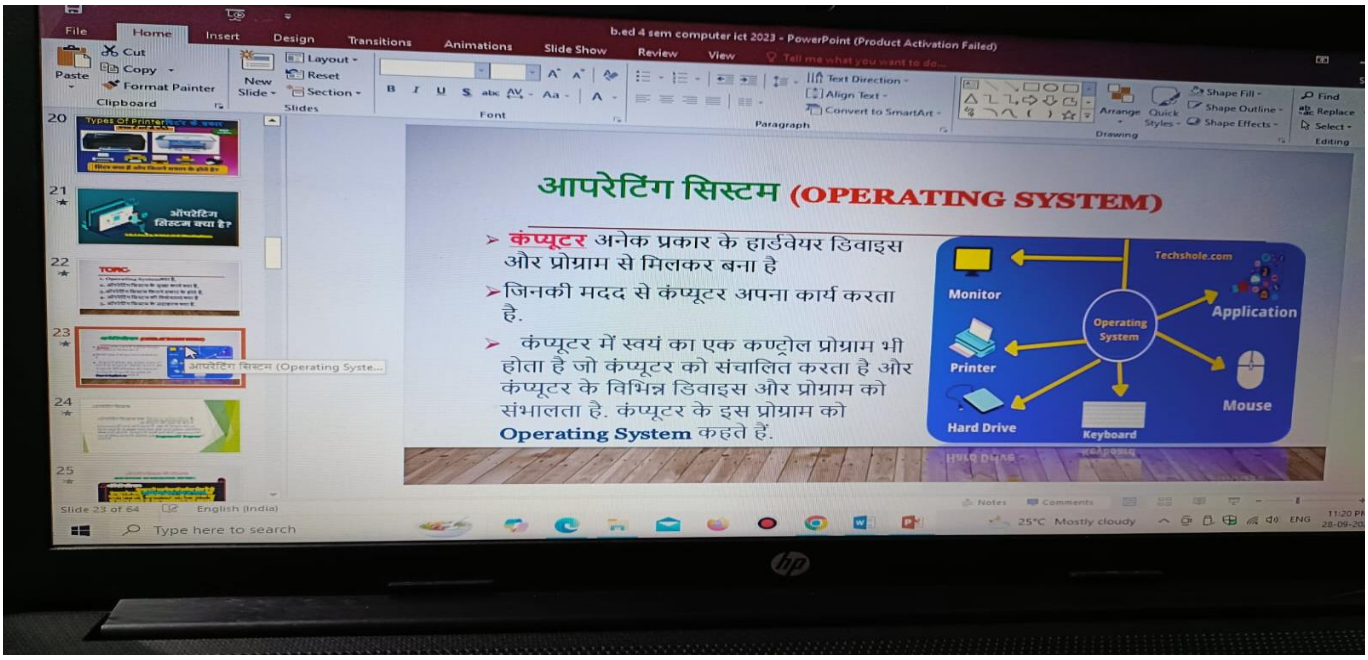

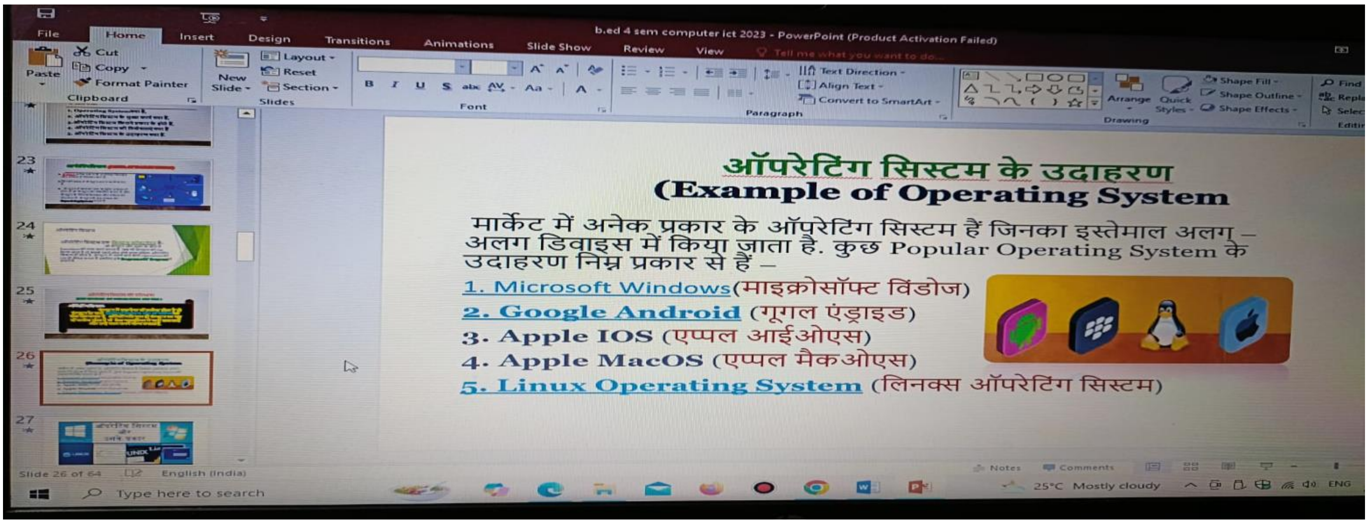

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

1. Preparation of lesson plans

By doing Bed course in Maa Revati College, children learn to make lesson plans. In this, we teach children to teach through charts, models, posters etc. Then we send children to private and government schools for internship.

- To create a lesson plan, the following things should be kept in mind:
- The lesson plan should have a clear beginning, middle, and end.
- The lesson plan should introduce goals and standards.
- Lesson plans should involve students using modeling, guided practice, and active participation strategies to learn. **Model ,Poster ,Teaching Aid**

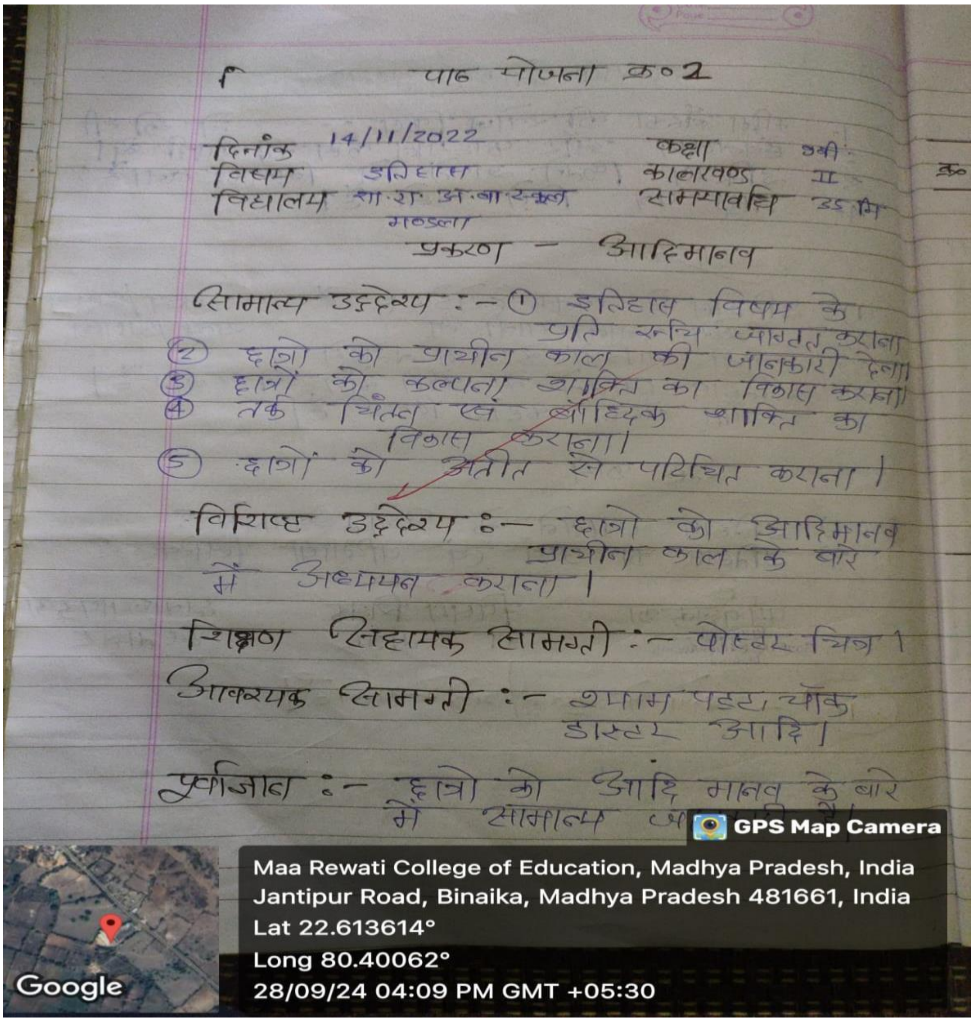

पाठ योजना क्र० 2

दिनांक 14/11/2022 कक्षा 9वी
विषय इतिहास कालखण्ड II
विद्यालय शा.उ.अ.बा.स्कूल मण्डला समयावधि 35 मि

प्रकरण – आदिमानव

सामान्य उद्देश्य :- ① इतिहास विषय के प्रति रुचि जाग्रत कराना
② छात्रों को प्राचीन काल की जानकारी देना
③ छात्रों को कल्पना शक्ति का विकास कराना
④ तर्क चिंतन एवं बौद्धिक शक्ति का विकास कराना।
⑤ छात्रों को अतीत से परिचित कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :- छात्रों को आदिमानव प्राचीन काल के बारे में अध्यापन कराना।

शिक्षण सहायक सामग्री :- पोस्टर चित्र।

आवश्यक सामग्री :- श्यामपट्ट, चॉक डस्टर आदि।

पूर्वज्ञान :- छात्रों को आदि मानव के बारे में सामान्य

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

प्रस्तावना प्रश्न

क्र०	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1.	आदि मानव का निवास स्थान कहाँ था?	जंगलो में
2.	आदिमानव का भोजन क्या था?	फल-फूल, कंदमूल और कच्चा माँस
3.	वनों में क्या क्या पाया जाता है?	पेड़, पौधा, पत्थर, मिट्टी (जानवर) शेर, बंदर, हिरण, खरगोश (पक्षी) मोर, कबूतर, तोता आदि।
4.	आदि मानव से आप क्या समझते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- छात्रों आज हम आदिमानव के बारे में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण विधि :- प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्यान विधि, श्याम पट्ट विधि आदि

GPS Map Camera

Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:11 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
प्रस्तावना	आज हम आदिमानव के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	आदिमानव
आदि मानव का अर्थ	आदि आधुनिक खोजों से ज्ञात हुआ है कि लाखों वर्ष पूर्व इस पृथ्वी पर मानव का जन्म हुआ था। पहले मानव 4 पैरों पर चलता था और जंगलों में निवास करते थे वह कपड़ा नहीं पहनता था तथा भोजन में फल फूल कच्चा मांस खाता था इसे ही आदि मानव कहा जाता है।		
आदि मानव का परिवेश	पहले आदिमानव गुफाओं में रहते थे तथा पेड़ पर चढ़कर रहते थे। धीरे धीरे आदिमानव गुफाओं में रहना प्रारंभ कर दिया आदि मानव पहले 4 पैरों से चलते थे परन्तु बाद	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	

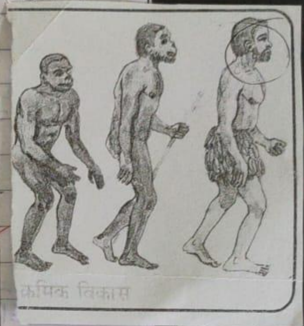

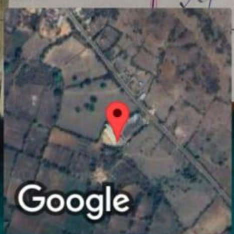

GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:13 PM GMT +05:30

Principal
Maa Rewati College of Education
Mandla (M.P.)

	प्रारंभ कर दिया। 2 पैर चलने के लिए और 2 हाथों का प्रयोग पकड़ने उठाने फल तोड़ने आदि के लिए करने लगे। इस प्रकार आदि मानव का शारीरिक परिवर्तन के साथ साथ सोचने समझने की शक्ति का भी तेजी से विकास होने लगा।	
पाषाण काल	आदिमानव पत्थरों का उपयोग जानवरों के शिकार करने मांस काटने, लकड़ी काटने कन्दमूल खोदने आदि के लिए करता था। पत्थरों को पाषाण भी कहा जाता है। इसलिए इसे पाषाण युग कहा	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे
पाषाण काल के भाग	1. पुरा पाषाण काल 2. मध्य पाषाण काल 3. नव पाषाण काल या उत्तर पाषाण काल	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे
पुरा पाषाण काल	पुरा पाषाण काल में औजार पत्थरों को तोड़कर बनाये जाते थे और ये औजार बड़े-बड़े होते थे। ... काल में पत्थरों के ... औजारों को पुरा पाषाण	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे

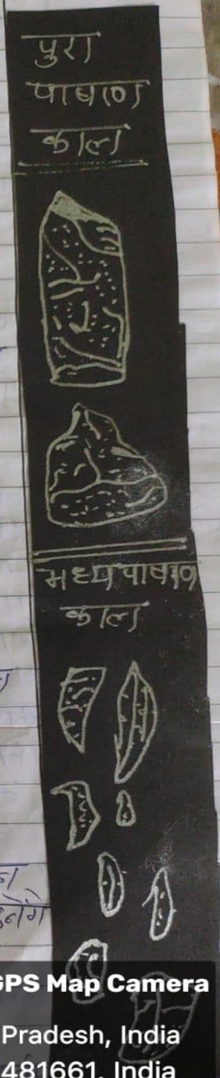

GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:13 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

	काल के अपेक्षा छोटे बनाने लगे तथा पत्थरों को नुकीले बनाये जाने लगे। इस काल में मजबूत पत्थरों का उपयोग किये जाने लगे। औजार को पकड़ने के लिए हत्थे वाले औजार बनाने लगे थे।		
नव पाषाण काल	इस काल में छोटे तथा चिकने पत्थरों से औजार बनाने लगे। मजबूत पत्थरों का उपयोग किए जाने लगा	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	
आग की खोज	पहली बार जब जंगल में सूखी लकड़ियों को आपस में तेज रगड़ होने के कारण आग लग गई तथा पत्थरों का आपस में टकराकर चिंगारियों को निकलते देखा तब मानव ने दो पत्थरों को आपस में टकराकर आग उत्पन्न की यह मानव की सबसे बड़ी उपलब्धि थी।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	
पशुपालन एवं कृषि	नव पाषाण काल तक आदिमानव ने पशुपालन और खेती की खोज कर …	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	

GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:13 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

	के साथ साथ पशुपालन भी इनके लिए महत्वपूर्ण है।	
	पशुओं से कार्य	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे
	कुत्तो से - शिकार करवाते थे। बैलो से - कृषि खेती गाय - दूध प्राप्त करने के लिए सवारी के लिए घोड़ा ऊँट आदि	
पहिए की खोज	आदिमानव के लिए पहिए की आविष्कार से अनेक प्रगति हुई। 1. भारी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने के लिए आसान हुआ। 2. पहिए के आविष्कार से मिट्टी के बर्तन बनाने में सहायक सिद्ध हुई।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे

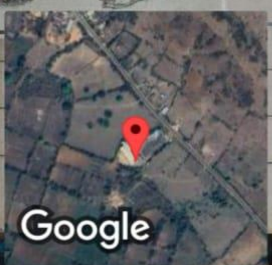

GPS Map Camera
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:14 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

बोध प्रश्न

क्रमांक	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
1.	पाषाण काल को कितने भागों में विभाजित किया गया है ?	उ०- पाषाण काल को तीन भागों में विभाजित किया गया है।
2.	आग की खोज किस काल में हुआ ?	उ०- आग की खोज नव पाषाण काल में हुआ था
3.	आदिमानव सर्वप्रथम कहाँ निवास करते थे?	उ०- आदि मानव, सर्वप्रथम पेड़ एवं गुफाओं में निवास करते थे।
4.	पुरा पाषाण काल में आदिमानव का भोजन क्या क्या था ?	फल - फूल, कच्चा माँस आदि।
5.	पुरा पाषाण काल में आदि मानव का हथियार कैसे थे ?	उ०- पुरा पाषाण काल में आदि मानव पत्थरों के हथियार बनाये जाते थे पत्थर बड़े एवं खुरदरे होते थे।

GPS Map Camera

Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:16 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

पुनरावलोकन प्रश्न

1. आदिमानव किसे कहा जाता है?
2. पहले आदिमानव कहाँ रहते थे?
3. पाषाण युग क्यों कहा गया?
4. आग की खोज कैसे की गई?
5. पहिए की आविष्कार से मानव में कौन कौन सी कार्य करने में आसानी हुई

कक्षा कार्य

1. पत्थरों के युग को .... कहा जाता है?
2. पत्थरों को रगड़ने से ..... की खोज हुई?
3. नव पाषाण काल तक आदिमानव ने ..... की खोज कर ली थी।
4. पाषाण काल को तीन भागों में विभाजित किया गया है सत्य / असत्य
5. कृषि एवं पशुपालन किस पाषाण काल से प्रारंभ हुआ?

गृह कार्य ① आदि मानव के विकास के क्रम की सूची बनाइये?
② आदि मानव का अर्थ बताइये

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर | विषय शिक्षक के हस्ताक्षर | छात्राध्यापक हस्ताक्षर

Principal
Govt. H.S.S. ... Mandla

GPS Map Camera
Google
Maa Rewati College of Education, Madhya Pradesh, India
Jantipur Road, Binaika, Madhya Pradesh 481661, India
Lat 22.613614°
Long 80.40062°
28/09/24 04:17 PM GMT +05:30

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

2. Developing assessment tools for both online and offline learning.

1. Online assessment Learning can be defined as the evaluation of an individual's abilities, behaviors and/or characteristics.

- Students can take the exam on any device.
- It marks answers quickly
- It provides quick response
- provides a conducive environment
- Students can take the exam from anywhere and anytime.

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Ex. Youtube, Google Meet, Zoom Ect.

1. YouTube, Google Meet & Zoom meeting Facilites provided to all Students as per their subject and topic timely for enhancement students's knowledge.

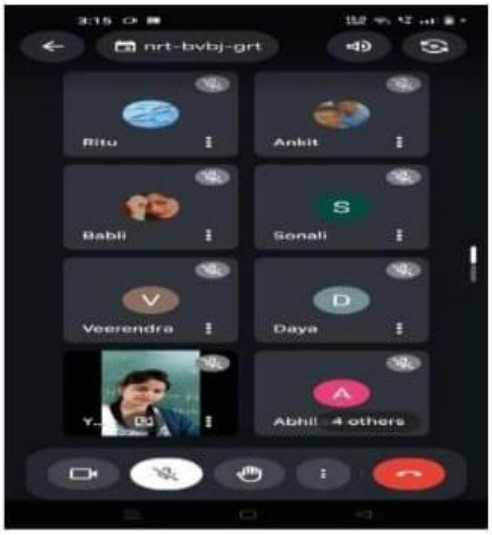

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

2 Maa Rewati College of Education Mandla provides all information related to curriculum, exam, college activities scholarship etc time to time with the help of courses wise group created by administration department.

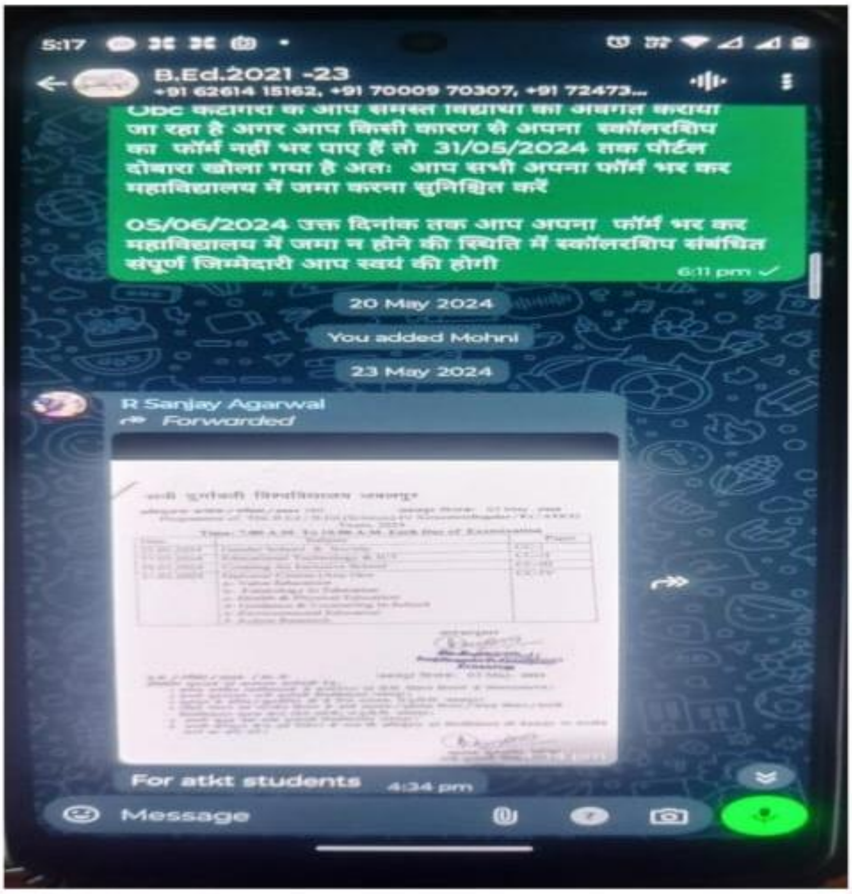

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Online learning is close to individualised learning because it has especially helped students who struggle to grasp and understand concepts and topics. In online learning, there is zero pressure on students for competing with classmates to be the class topper. Online classes also have helped students to gain skills like time management, self-discipline and life-long learning.

Offline learning

Offline classes take place in a traditional classroom from Monday to Saturday between a given period of time where students have to obey the rules and regulations. Offline classes comprise theoretical learning and practical learning with a combination of extracurricular activities to upgrade knowledge and skills.

Sometimes they are considered more productive than online classes because they enhance students in many ways like concentration, discipline, punctuality, respect, obedience etc. In offline classes, students have libraries and study materials. The offline classes have fewer distractions and students get individual attention. Now you can read the advantages of offline classes

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

3.) Effective use of social media/learning apps/adaptive devices For learning

- **Social media sites** - to stay in-touch with Students & Teachers based on one-on-one interaction or conversations. Also, such sites improve sharing knowledge in various formats like text, photos, videos, and creative content. Example: Facebook, LinkedIn, Telegram, etc.

- **Image-based sites** - the content could be infographics, photos, animated pictures, illustration, etc. The objective of such sites is to increase image sharing. Example: Tumblr, Flickr, Pinterest, Instagram, Facebook, etc.

- **Videos-based sites** - Videos are on the top of content forms that captivate and engage SM users. Individuals, online advertisers, and organizations (for profit and non-for-profit) benefit a lot from using such type of content. Many individuals use this form of SM sites to learn, find answers, and as search engines.

- Example: YouTube, Instagram, Zome, Gmail, Google Meet, whatsup group etc.

Online Class –Learning App (Googal meet)

2. PPT (Presentation) Online class

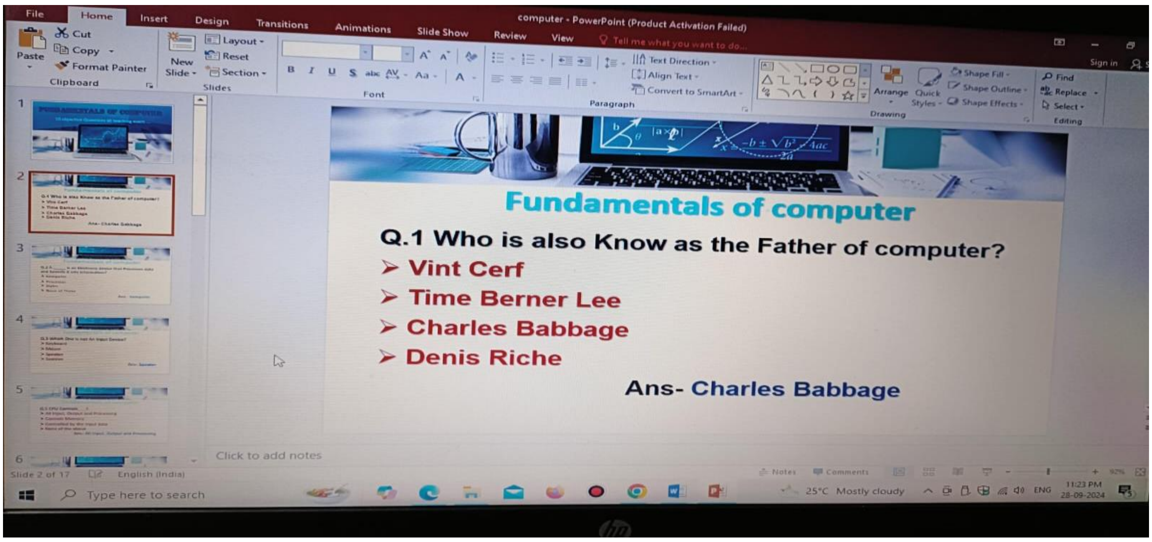

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

4) Evolving learning sequence (learning activities) for online as well as face to face situation

1. YouTube, Google Meet & Zoom meeting Facilites provided to all Students as per their subject and topic timely for enhancement students's knowledge.

	Online learning	Face to Face learning
Pace	Students can set their own pace	Classes are held at a fixed time and location
Setting	Students can learn from home or anywhere else	Students learn in a group setting
Structure	Students may need to be self-motivated and organized	Classes are more disciplined and structured
Interaction	Students may learn alone without a live instructor	Students may have more interaction and discussion with other students and the instructor
Benefits	Online learning can be convenient and accessible	Face-to-face learning may be better for classes that require active student participation, like science or STEM classes

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)